(3)

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 09 अक्टूबर, 2018 की बैठक का कार्यवृत्त

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 09 अक्टूबर, 2018 को पूर्वाह्न 11.30 बजे प्रशासनिक खण्ड के प्रथम तल पर स्थित समिति कक्ष में निदेशक महोदय की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए -

1.	आचार्य प्रमोद कुमार जैन, निदेशक	-	अध्यक्ष
2.	आचार्य अनिल कुमार त्रिपाठी, अधिष्ठाता (संसाधन एवं पूर्व छात्र)	-	उपाध्यक्ष
3.	डॉ. शुभेन्दु प्रकाश माथुर, कुलसचिव	-	सदस्य
4.	आचार्य राजीव प्रकाश, अधिष्ठाता (अनुसंधान एवं विकास)	-	सदस्य
5.	आचार्य संजय कुमार पांडेय, गणितीय विज्ञान विभाग	-	सदस्य
6.	आचार्य सुशांत कुमार श्रीवास्तव, भैषजकीय अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विभाग	-	सदस्य
7.	आचार्य सत्यवीर सिंह, रासायनिक अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विभाग	-	सदस्य
8.	संयुक्त कुलसचिव (प्रशासन)	-	सदस्य
9.	उप कुलसचिव (लेखा)	-	सदस्य
10.	श्री जगदीश नारायण राय, संयोजक, केन्द्रीय सचिवालय, हिन्दी परिषद, वाराणसी।	-	आमंत्रित सदस्य
11.	सहायक कुलसचिव (राजभाषा)	-	सदस्य सचिव

अधिष्ठाता (संकाय कार्य), अधिष्ठाता (शैक्षणिक कार्य) एवं अधिष्ठाता (छात्र कार्य) बैठक में उपस्थित नहीं हो सके।

बैठक के प्रारम्भ में अध्यक्ष महोदय द्वारा सदस्यों का स्वागत किया गया एवं अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यसूची के मदों पर चर्चा प्रारम्भ की गई। आचार्य अनिल कुमार त्रिपाठी, अधिष्ठाता (संसाधन एवं पूर्व छात्र) ने निदेशक महोदय का समिति के समस्त सदस्यों की ओर से स्वागत किया।

मद सं. 1: राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 17 अप्रैल, 2018 की बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि:

दिनांक 17 अप्रैल, 2018 को आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के कार्यवृत्त की समिति ने पुष्टि की।

मद सं. 2: राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 17 अप्रैल, 2018 की बैठक में लिए गए निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई:

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 17 अप्रैल, 2018 की बैठक में लिए गए निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई की पुष्टि की गई।

मद सं. 3: राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार को संस्थान की ऑनलाइन माध्यम से भेजी गयी पिछली हिन्दी तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा।

समिति को अवगत कराया गया कि संस्थान की राजभाषा के प्रयोग से संबंधित जून 2018 (अप्रैल से जून) तिमाही की प्रगति आख्या राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार को ऑनलाइन माध्यम से भेजी जा चुकी है। समिति को यह भी अवगत कराया गया कि जून 2018 तिमाही की प्रगति रिपोर्ट कुल 42 विभागों/स्कूलों/ अनुभागों में से 34 से उक्त रिपोर्ट प्राप्त हुई।

समिति को उक्त हिन्दी तिमाही प्रगति रिपोर्ट के अंतर्गत संस्थान में राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत द्विभाषी रूप में जारी कागजात, हिन्दी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिन्दी में देने, अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिन्दी में देने, फाइलों पर हिन्दी में लिखी गई टिप्पणियों के स्थिति से अवगत कराया गया।

मद सं. 4: राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के लिये वर्ष 2018-19 के वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु चर्चा।

संस्थान के समस्त विभागों/अनुभागों से राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के लिये वर्ष 2018-19 के जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु पत्र द्वारा अनुरोध किया जा चुका है।

उक्त वार्षिक कार्यक्रम में विभिन्न मदों पर निर्धारित लक्ष्य से समिति को अवगत कराया गया।

मद सं. 5: संस्थान में राजभाषा के प्रयोग की वर्तमान स्थिति पर चर्चा:

संस्थान में राजभाषा के प्रयोग की वर्तमान स्थिति पर चर्चा हुई जिसके उपरांत निम्न निर्णय लिए गए –

क) संस्थान के समस्त विभागों/स्कूलों/अनुभागों/इकाइयों से राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) अंतर्गत आने वाले दस्तावेजों में निविदा सूचना (टेंडर नोटिस) द्विभाषी रूप में जारी करने हेतु अनुरोध किया जाय।

ख) वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा विभिन्न विज्ञान एवं तकनीकी विषयों पर कार्यशाला आदि का आयोजन किया जाता है। इस संबंध में संस्थान के गणितीय विज्ञान विभाग से उक्त कार्यशाला आयोजित कराने हेतु अनुरोध किया जाय।

ग) आचार्य अनिल कुमार त्रिपाठी, अधिष्ठाता (संसाधन एवं पूर्व छात्र) ने अवगत कराया कि संस्थान के शताब्दी समारोह के अंतर्गत अगले वर्ष (2019) में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसके अंतर्गत हिन्दी में शोध एवं विज्ञान से संबन्धित एक सम्मेलन का आयोजन किया जा सकता है।

घ) संस्थान में देश के विभिन्न शोध एवं तकनीकी संस्थानों जैसे सीएसआईआर, डीआरडीओ, बीएआरसी व अन्य में कार्यरत हिन्दी अधिकारियों को आमंत्रित कर राजभाषा हिन्दी से संबन्धित एक सम्मेलन का आयोजन किया जाय।

उक्त सम्मेलन में कुछ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के हिन्दी अधिकारियों को भी आमंत्रित किया जा सकता है।

च) आचार्य अनिल कुमार त्रिपाठी, अधिष्ठाता (संसाधन एवं पूर्व छात्र) ने यह सुझाव दिया कि संस्थान को राजभाषा हिन्दी के क्षेत्र में उत्कृष्ट संस्थान के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया जाय एवं इस क्षेत्र में उत्कृष्टता हेतु निर्धारित मानदंडों का पता लगाया जाय।

छ) श्री जगदीश नारायण राय द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि गृह मंत्रालय को भेजी जाने वाली हिन्दी तिमाही प्रगति आख्या (जनवरी से मार्च) के साथ संस्थान के विभिन्न विभागों/इकाइयों के निरीक्षण की आख्या भेजना जरूरी है। इस संबन्ध में समिति ने निर्णय लिया कि समय-समय पर सहयोगात्मक रूप में राजभाषा निरीक्षण किया जाय तथा निरीक्षण के उपरान्त प्राप्त आँकड़ों का अभिलेख तैयार किया जाय।

बैठक, अध्यक्ष महोदय को धन्यवाद के साथ सम्पन्न हुई।

(गंगेश शाह गोंडवाना) सदस्य सचिव	(जगदीश नारायण राय) आमंत्रित सदस्य	(स्वाति बिस्वास) सदस्य
(राजन श्रीवास्तव) सदस्य	(सुशांत कुमार श्रीवास्तव) सदस्य	(सत्यवीर सिंह) सदस्य
(संजय कुमार पांडेय) सदस्य	(राजीव प्रकाश) सदस्य	(शुभेन्दु प्रकाश माथुर) सदस्य
(अनिल कुमार त्रिपाठी) उपाध्यक्ष		(प्रमोद कुमार जैन) अध्यक्ष